





खेत पर झूल रहे  
बिजली के तार को  
हटाने के लिए दिया था  
आवेदन, कंपनी ने  
किया अनदेखी

अशोकनगर। शादौरा थाना क्षेत्र के ग्राम मढ़ी कानूनों में एक 32 वर्षीय युवक की कर्टन लगने से मौत हो गई। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि युवक को कर्टन विद्युत वितरण कंपनी के लापरवाही अधिकारी-कर्मचारियों और प्रशासन की लापरवाही के कारण लगा है इसलिए दोषियों पर कार्यवाही होनी चाहिए और मृतक के परिजन को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

बिजली के एक झूलते तार से उसे कर्टन लगा

32 वर्षीय सुमेद पुत्र सूरत सिंह कुशवाह अपनी पति के साथ शनिवार की सुबह चारा काटने के लिए खेत पर पहुंचा था। करीब 10 बजे चारा काटने के बाद जब सुमेद घास का गुड़ा अपने सिर पर रखकर घर की ओर आ रहा था तो बिजली के एक झूलते तार से उसे कर्टन लगा। घटना की जानकारी तुरंत सुमेद की पति ने आपसमान मौजूद लोगों को बताई। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और सुमेद को गुना लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रविवार का ग्रामीणों ने खेत में बैठकर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान विधायक हरिवाल राय, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शहर राजेन्द्र कुशवाह सहित ग्रामीण मौजूद थे।

गरबा अभ्यास में  
मनाया अंतर्राष्ट्रीय  
शांति दिवस

ब्यावरा। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस, जिसे विश्व शांति दिवस के नाम से भी जाना जाता है। इसका उद्देश्य विश्व में शांति, अहिंसा और लोगों के बीच मेल मिलाया को बढ़ावा देना है। वैश्विक स्तर पर चल रहे तनाव को देखते हुए, इसका महत्व समय के साथ बढ़ गया है। लोग इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से शांति का संदर्भ पैलाते हैं। विशेष तौर पर युवा पोढ़ी को इसका महत्व समझता बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए, रास-गरबा का आयोजक संस्था द्वय सखी कलब एवं रिदम एंड ब्लॉसम स्टूडेंस फूल द्वारा गरबा अभ्यास के दौरान बच्चों के साथ इस विश्व शांति दिवस का अयोजन किया।

उप स्वास्थ्य केन्द्रों में दो दिवसीय शिविर का आयोजन

गर्भवती महिलाओं की जांच कर दी जानकारी



इसमागढ़। प्रधानमंत्री पंचायतीजी बसाईटों के परिवारों के लिए रविवार को सहरिया गर्भवती माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिले के उप स्वास्थ्य केन्द्रों में 21 एवं 22 सितंबर को शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर शुभाष कुमार द्विवेदी ने शिविरों के सफल संचालन के लिए नोडल अधिकारियों से बात हुई है, प्रशासनिक हुआ। जिस जगह हादसा हुआ है वहां लटकता हुआ तार सड़क से ही दिखाई देता है। क्षेत्र में बिजली के तार सात से आठ फॉट की ऊंचाई पर लटके हुए हैं। अधिकारी यहां से निकलते हैं तो लेकिन सुधार नहीं करवाते हैं। खेत में प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि अधिकारी और कर्मचारियों की लापरवाही से सुमेद के परिजनों को एक करोड़ मुआवजा दिया जाए।

अधिकारी नियुक्त किये थे। जयवंत शक्य उपवंशी नगर पालिका चार्डेरी ने उपस्वास्थ्य केंद्र ग्राम फुटेरा पछाड़ पहुंचकर शिविर का जायजा लिया। शिविर में हिमोन्टोबिन, ग्लूकोस, बीपी, वजन, हाईट, मलेरिया की जांच की गई। उच्च जेडियम वाली महिला मोहर बाई को जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया। इस दौरान जन अधियान परिषद विकास खेड इसागढ़ के सेक्टर क्रमांक 4 की नवाकुर संस्था अक्षरपीठ द्वारा महिलाओं को गुड़, चना, टीएचआर का वितरण किया गया। शिविर में नवाकुर संस्था अक्षरपीठ शिक्षा समिति के अध्यक्ष कुमार संभव, एनएम निधि श्रीवास्तव, सीएचओ प्रीति सोनी, आगंवाली द्वारा विमला शर्मा, आशा सविता श्रीवास्तव, सहायिका गजवती अहिवाल, सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने किया श्रमदान



पालिका अधिकारी इस खान, अखिलेश भरथरे स्वच्छता निरीक्षक एवं नगर पालिका के समस्त कर्मचारीयों द्वारा निरीक्षक, योगेन्द्र सिंह सोलांकी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 85 वार्डों के 4629 सफाई मित्रों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण



भोपाल। स्वच्छता ही सेवा परिवारा-2024 के अंतर्गत नगर निगम के कर्मचारियों एवं सफाई मित्रों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु 04 स्थानों पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किये गये। महापौर श्रीमती मालती राय ने सफाई मित्रों के स्वास्थ्य परीक्षण विविरों में जाकर स्वास्थ्य परीक्षण का जायजा लिया तथा चिकित्सकों से चर्चा कर सफाई मित्रों का बेहतर ढंग से स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश दिया। महापौर श्रीमती राय ने स्वास्थ्य परीक्षण विविरों में जाकर सफाई मित्रों से संवाद भी किया और उनके

# बिजली कंपनी की लापरवाही से गई युवक की जान, 1 करोड़ रुपए मुआवजे की मांग

गुस्साए लोगों ने खेत में बैठकर दिया धरना, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग



सीएम हेल्पलाइन पर भी की शिकायत, नहीं हुई कार्यवाही

ग्रामीणों ने बताया कि बिजली के झूलते तारों के बारे में ग्रामीणों ने स्थानीय विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय में आवेदन किया है। इसके बाद जब रिकार्ड नहीं मिले तो आपसमें से एक नोडल

हुआ। जिस जगह हादसा हुआ है वहां लटकता हुआ तार सड़क से ही दिखाई देता है। क्षेत्र में बिजली के तार सात से आठ फॉट की ऊंचाई पर लटके हुए हैं। अधिकारी यहां से निकलते हैं तो लेकिन सुधार नहीं करवाते हैं। खेत में प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि अधिकारी और कर्मचारियों की लापरवाही से सुमेद की जांच की गई है, प्रशासनिक

अधिकारियों से बात हुई उन्होंने चार लाख मुआवजा देने की बात बताई है लेकिन चार लाख का मुआवजा तो आकस्मिक दुर्घटना में दिया जाता है यहां तो जानबूझकार की गई लापरवाही से जान गई है इस कारण हमारी सासन-प्रशासन से मांग है कि सुमेद के परिजनों को एक करोड़ मुआवजा दिया जाए।

पलक झपकते ही दिनदहाड़े मोबाइल चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

पलक झपकते ही इलेक्ट्रॉनिक दुकान से मोबाइल ले गया चोर

स्वतंत्र समय संबद्धादाता, खिलचीपुर। एक दुकान से एक युवक पलक झपकते ही मोबाइल की चोरी कर ले गया। चोरी की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में बैठ कर रहे थे, जोड़ीयों में एक युवक काउंटर पर रखे मोबाइल को चुराकर ले जाते हुए भी नजर आ रहा है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। दुकानदार ने मोबाइल चोरी की शिकायत खिलचीपुर थाने में की है। जानकारी के मूलाभिन नगर में बस स्टैड जाने वाली मिठी गली में स्थित राजू साह वार्ड 15 में स्थित अपनी साह सूखेकल की दुकान में बैठे हुए थे। उनका मोबाइल काउंटर पर ही रखा था, वहां जैसे ही कृषि सामान लेने के लिए चंद कदमों की दूरी पर पैदेंगे। तभी चोरी की फिराक में दुकान के सामने खड़ा एक युवक उमड़ा भाल उड़ान चला गया। दुकानदार राजू साह ने बताया कि घटना के कुछ देर बाद जब उह अपना मोबाइल नहीं मिला तो उहने दुकान में लगे छाँड़कैमरे देखा, इस दौरान वीडियो में उह एक ज्ञाता यहां-वहां मोबाइल चुराये वाले युवक की तलाश की और फिर जब आरोपी नहीं मिला तो मैं खिलचीपुर थाने पर चढ़ाया और पूरा घटनाक्रम बताते हुए मोबाइल चोरी की शिकायत दर्ज करवाइ।

मंडी में सोयाबीन आवक का हुआ श्री गणेश, चार

हजार रुपए प्रति किंटल बिकी पहली ट्राली

ब्यावरा /मुख्यमंत्री। रविवार को ब्यावरा रोड स्थित मंडी में एक ट्राली सोयाबीन से श्री गणेश हुआ। मंडी से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुनील गुरा की एक ट्राली सोयाबीन को श्रीराम ट्रेडर्स रुपेश अग्रवाल ने 4001 रुपए प्रति किंटल भाल में खरीदा है। हर वर्ष सोयाबीन में दो हजार बोरी से अधिक की आवक रहती है।

## अशोकनगर में हुआ रजक समाज का प्रांतीय सम्मेलन, प्रदेशभर से जुटे समाज के प्रतिनिधि

अशोकनगर। अखिल भारतीय रजक महासंघ का प्रांतीय सम्मेलन अशोकनगर में आयोजित किया गया था। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेशभर



बिजली विभाग के अधिकारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग, वरना आंदोलन तय



औबेदुल्लामंज। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल जिला भोजपुर रायसेन द्वारा आज नार औबेदुल्लामंज में अनुविधाय अधिकारी कार्यालय में जापन दिया गया। ग्राम टिकियों में प्रदीप कारी की विद्युत मंडल की लापरवाही होने के कारण स्मृति गुल्मी जानकारी के बेहतरी के लिए जो क

# संपादकीय

हम किसी के खिलाफ  
नहीं, सब हमारे खिलाफ

अमेरिका ने भारत के सुरक्षा सलाहकार को समन देकर बुलाया है और प्रधानमंत्री माननीय ने देंद्र मोदी को एक अतिथि के रूप में। वे अमेरिका में हो रहे क्राड सम्मेलन में शामिल हुए हैं। अमेरिका के बाबर व्यवहार की अनेकों कर मोदी जी ने दरियादिली दिखाते हुए कहा है कि क्राड शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तानाव और संघर्ष से घिरी हुई है। ऐसे में साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्राड का एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने ये नहीं कहा की हमारे खिलाफ कौन है? क्योंकि सब जानते हैं की शेष दुनिया का बड़ा हिस्सा दिखालाक है।

आपको बता दूँ कि अमेरिका के डेलवेर में आयोजित क्राड शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देंद्र मोदी ने कहा कि सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तानाव और संघर्ष से घिरी हुई है। माननीय मोदी जी ने कहा कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्राड का एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने ये नहीं कहा की हमारे खिलाफ कौन है? क्योंकि सब जानते हैं की शेष दुनिया का बड़ा हिस्सा दिखालाक है।

आपको बता दूँ कि अमेरिका के डेलवेर में आयोजित क्राड शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देंद्र मोदी ने कहा कि सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तानाव और संघर्ष से घिरी हुई है। माननीय मोदी जी ने कहा कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्राड का एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने ये नहीं कहा की हमारे खिलाफ कौन है? क्योंकि सब जानते हैं की शेष दुनिया का बड़ा हिस्सा दिखालाक है।

आपको बता दूँ कि अमेरिका के डेलवेर में आयोजित क्राड शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देंद्र मोदी ने कहा कि सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तानाव और संघर्ष से घिरी हुई है। माननीय मोदी जी ने कहा कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्राड का एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने ये नहीं कहा की हमारे खिलाफ कौन है? क्योंकि सब जानते हैं की शेष दुनिया का बड़ा हिस्सा दिखालाक है।

गुस्सा या तानाव श्विणक होता है तो उसे लहरों की तरह मन में आयी श्विणक श्विणत ही मनोविज्ञान में मानी जाती है। तानाव गुस्सा या तानाव और कभी भी किसी श्विणत में गुस्सा न आना दोनों ही असाधारण मानसिक स्थिति है। कोई बात पर कभी भी गुस्सा न करें तो उसे शात चित्त या दब्क बींस जाना दी जाती है। इसके ऊपर जो बात पर गुस्सा करें या चौबास घटे बारह मधीने निरंतर गुस्सा होंगे तो उसके इस आचरण को क्या संबंध दी जावे? समुद्र में भी सदैव तूफान नहीं रहता पर आज की दुनिया में मनुष्य का जीवन अपनी ही बाइंड असाधारण मानसिक तानाव की सुनारी से होशा अशांत रहने लगा है। अकारण अनियंत्रित गुस्सा आवाहानी ही पिछड़ रहता है। प्राचीन काल से मनुष्य समाज के मन, चिंतन और जीवन क्रम में गुस्से का अस्तित्व मौजूद हैं सात्विक क्रोध शब्द इसका जीवन प्रमाण है।

पर आज, जीवन की तथाकथित आधुनिक यांत्रिक जीवनवार्षा और दुनिया मनुष्य मात्र को असाधारण और अकारण उत्तेजनापूर्ण और आक्रामकता भरी जिंदगी में निरंतर धकेल रही है। पर आधुनिकता के अंदर मनुष्य अपनी कल्पनाओं और और तथाकथित विकसित समयत में इस कदर दब्क गये हैं कि मनुष्य के प्राकृतिक और भूल स्वभाव के शांत स्वरूप की अधिकांश मनुष्यों को कोई जानकारी ही नहीं है। सात्विक क्रोध कपूर की तरह हवा में उड़ गया है और



लेखक

अनिल चिवडे

पत्र लिखना भी एक कला है।

गिरिजाकुमार माथुर

रवतः निजी अखबार है घर का।

**लगातार गुस्सा या तानावपूर्ण मनः स्थिति को त्यागना काल धर्म है**

मनुष्य ने लोभ वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर बनकर्पति जगत अपने भौत जीवक के क्रम को धूकती पर बनाता काल के अहंकार उद्देश्य भाव करता है। भौत जीवक के जीवन निर्माण के क्रम में अपनी भौत आहुति देने को ही जीवन भावना है। भौत जीवक का एक अन्य धर्म निश्चित लय में शारीरिक जीवन को ही आसाधारण तानाव के लिए बहुत उपयोगी है।

गुस्सा या तानाव और गुस्सा हमारा प्रायः स्थायी स्वभाव बनता जा रहा है। गुस्सा और तानाव जब जिंदगी का स्थायी स्वभाव बन जाय तो समझिए कि हमारी जिंदगी शांति सद्वाव और समन्वय को त्याग बनाता है। और जीवन को जीवन का स्थायी भाव बना चुकी हैं और हम अप्राकृतिक जिंदगी को ही आसाधारण तानाव कर चुके हैं।

मनुष्य को मन, तन और जीवन के मूल स्वभाव और स्वरूप को पूरी तरह से त्याग कर यांत्रिक और आधासी दुनिया के निकारात्मक प्रभाव और मनुष्य जीवन में तरह तरह की असामान्य चुनौतियों के सामने नतमस्तक होता जाना, आज का सबसे बड़ा सवाल है। अपने आप को विपरीत परिस्थितियों से जूझने देने के बजाय परिस्थिति जन्य गुलाम मानसिकता को चुपचाप अपना लेना शायद आज की दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है जिसका हल आज जो जिन्दा मनुष्य है उनकी एक मात्र, और पहली जिम्मेदारी है। गुस्सा मन, तन, और जीवन की सहजता को पूरी तरह से नष्ट कर देता है। गुस्सा आना यानि मनुष्य द्वारा प्राकृतिक जीवन और जीवन के निकारात्मक होने के बारे में रक्षा करता है। इसका जगत अपनी जीवन के काल में भी सदैव तानाव के लिए बहुत उपयोगी है। प्रकृति में कोई अन्य विकास नहीं है।

प्रत्येक श्रृंखला को बिना किसी हस्तक्षेप या मिलावट के जीवन की सुधांको के फैलाता है और जीव और जीवन को पुनः अनुरित होने के लिए जन्म देता है।

मनुष्य ने लोभ वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन के क्रम को धरती पर सनातन काल से अपने जीवन के एक मैवें विकास बनाने के लिए जाने वाले हैं।

मनुष्य ने लोभ वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को यंत्रवत अपनाना ही माना जाएगा।

प्रत्येक जीव वश या फूलों से आकर्षित होकर फूल को तोड़कर बीज निर्माण के क्रम में हृष्टक्षेप किया हो पर समस्ति जगत अपने मौन अहिंसक और जीवन को लेकर नामांजीपूर्ण तौर तरीकों को







## राजनीतिक-प्रशासनिक

भाजपा के 10 वर्षों के शासनकाल में नहीं हुआ देश में एक भी दंगा

### नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस शिशुपाल की तरह, इन्हें माफ न करें: सीएम यादव

■ स्वतंत्र समय, सांबा/भोपाल



कर्मी का चुनाव इस बार कई कारणों से बहुत हटका भी है। यह वह जम्मू-कश्मीर है, जिसको लेकर खाजपा वर्षों से नारा लगाती आई है कि जहां हुए बलिकार हार मुख्य वह कश्मीर हमारा है। मैं उस कर्मी को जनता को स्वच्छ और स्थायी शासन देने के लिए खाजपा उमीदवार को बांध देने की अपील करने आया हूं।

उन्होंने कहा-यह विधानसभा का चुनाव देश विरोधी ताकतें कहाँ थीं कि जम्मू-कश्मीर से धरा 370 हटने के बाद देश में खुन की नदियां बह जाएंगी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के राज में एक भी पथर किसी ने नहीं फँका। उन्होंने कहा-जम्मू-

सभी भाजपा के कमल के फूल के समने का बटन ढाई और खाजपा को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाइ। खाजपा को विजयी बनाकर आप सब देश विरोधी ताकतों को समाप्त करने का कार्य करें। वह श्राद्ध का पवर चल रहा है। अबकी बार किसका श्राद्ध करना है यह हम सब याद रख लें। आप जैसे ही कमल के फूल के समने का बटन ढाई, उधर देश विरोधी ताकतों को समाप्त करने का काम तमाम हो जाएगा।

#### भाजपा दिल से मुस्लिम समाज को गले लगाती है

सीएम यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खाजपा सरकार हर समाज वर्ग के कल्याण और विकास के लिए कार्य कर रही है। खाजपा और उसके कार्यकर्ता मुस्लिम समाज के बधुओं को दिल से गले लगाती हैं। खाजपा ने ही अद्वितीय मौलिं जैसे मानव वैज्ञानिकों को राष्ट्रपति बनाया। यह हमारी विरासत है कि पुराणतान के साथ हुए में भारत की वीरता के झड़े गाड़न वाले अद्वितीय हमीद को सर आंखों पर बैठाते हैं। यह हमारी परंपरा है और हम इस परंपरा को मानने वाले लग हैं। उन्होंने कहा-जहां खानाने ने जम्मू-कश्मीर को लोगों का कभी भला नहीं किया। यह चुनाव अंतीम में जम्मू-कश्मीर के साथ हुए अन्याय का बदला लेना है। विकास के मामले में जम्मू-कश्मीर को देश का सिरपारी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने रेन्डर मोदी के नेतृत्व में भाजपा कार्य कर रही है।

### सरकार ने पहले भी हटाया द्वुषिगियों को और अब वहां बने हैं 'मॉल'

निजी व्यक्तियों और कंपनियों के हवाले जमीन सौंपने की तैयारी तो नहीं

■ स्वतंत्र समय, भोपाल



भोपाल में 1800 एकड़ में फैली हैं द्वुषिगियां

राजधानी भोपाल में राजभवन से लगे इलाके में 18 एकड़ के फैली रोडपूरा वस्ती ही या बाणीगंगा भीमगढ़, विश्वनाथ नगर जैसी टॉप 8 द्वुषिगियों के नाम से शहर के बीच प्राइवेट एकड़ पर कीरी 300 एकड़ में फैली हुई हैं। इसके अलावा राहुल नगर, दुर्गा नगर, बाबा नगर, अर्जुन नगर, पवील, नगा बरोड़े, संचर नगर, गंगा नगर, बापू नगर, शबरी नगर, ओम नगर, दामोदर, उडिया बरती, नई बरती, वीरा नगर जैसी कुल 388 द्वुषिगियों की बित्तियां शहर में हैं। इस तरह इन द्वुषिगियों की बित्तियां शहर में चली गई हैं। शहर में ऐसे कई प्रोजेक्ट सरकारी जमीन पर द्वुषिगियों की जमीनों पर कब्जा कर रहा है।

दुष्कर्मियों पर बिफरे प्रदीप मिश्रा

बोले- दशहरे पर पुतला नहीं इन्हें जिंदा जला दो



■ स्वतंत्र समय, रायपुर

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा है कि जहां बेटियों का सम्मान नहीं होता है वहां महाभारत और रामायण जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि आज छोटी-छोटी बच्चियों, कन्याओं और लड़कियों के साथ गलत कृत्य हो रहा है। ऐसा मोबाइल पर गलत चीजें देखने से हो रहा है। मां जानकी को रावण के वेवलंकार के लिए चाल रही है, तो दो दिन के अंदर कराएं। इनका चारित्रिक सत्यापन भी जरूरी है। किसी भी हालत में ऐसा कोई व्यक्ति जिसका चारित्रिक रिकॉर्ड अच्छा न हो अथवा आपाराधिक प्रवृत्ति का स्कॉर्ड हो, उसे स्कूल के किसी कार्य में न रखा जाए।

### प्रायवेट स्कूलों और मदरसों के टीचर्स का वैरिफिकेशन करेगी मप्र पुलिस

● जिला शिक्षा ठेंड्र का आदेश, रेडिलिफ स्कूल की घटना से लिया सबक

■ स्वतंत्र समय, भोपाल

उठाकर फैंक देती। गौरतलब है कि नगर पंचायत परथर्या में अध्यक्ष और पार्षदों के बीच अंदरूनी कलह चल रही है, जिस कारण से क्षेत्र में विकास कार्य अभिवत हो रहे हैं। मंत्री पटेल ने मंच से कहा-अपके आपस में कुछ भी मनुष्यावाल हो, पहली प्राथमिकता जनता की सेवा होनी चाहिए, क्योंकि जनता ने ही मुझे चुना है और आप सब को चुना है।

उनके दुख, दर्द रुकने का काम हमें करना चाहिए। आपके मन में कोई बात हो तो उसे खुलकर कहिए, बैठकर समस्या का हल निकालिए। आपके कार्यकाल को दो साल हो चुके हैं। आप खुद से पूछिए कि आपने इन दो सालों में अपने क्षेत्र को क्या उपलब्ध दी है। बार बार ये जनता पौका नहीं देती।

गोपाल में मांगों को लेकर प्रदर्शन, नेता ने कहा-हम सरकार को द्वुषिगियों को नसीहत

■ स्वतंत्र समय, भोपाल

भाजपा विधायक एवं पशुपालन राज मंत्री लखन पटेल ने रविवार को पथरिया में आयोजित खाजपा सदस्यता अधिकारी कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों को जनता की सेवा करने की नसीहत दी है।

पटेल ने नगर पंचायत में पार्षदों और अध्यक्ष, उपाध्यक्ष से मंच से ही कहा कि क्षेत्र की जनता परेशन है ऐसे पास रोज शिकायतें आती हैं, ये बात टीक नहीं। आप लोगों के आपसी मनमुटाव का खामियाजां जनता भगुत रही है। उन्होंने कहा कि मनमुटाव भूल जाएँ और जनता की सेवा में जुट जाएँ, क्योंकि ये जनता काम करने वालों को अपने सिर पर बैठती है और जाकर काम नहीं करते तो।

भाजपा विधायक एवं पशुपालन राज मंत्री

■ स्वतंत्र समय, भोपाल

उठाकर फैंक देती। गौरतलब है कि नगर पंचायत परथर्या में अध्यक्ष और पार्षदों के बीच अंदरूनी कलह चल रही है, जिस कारण से क्षेत्र में विकास कार्य अभिवत हो रहे हैं। मंत्री पटेल ने मंच से कहा-अपके आपस में कुछ भी मनुष्यावाल हो, पहली प्राथमिकता जनता की सेवा होनी चाहिए, क्योंकि जनता ने ही मुझे चुना है और आप सब को चुना है।

उनके दुख, दर्द रुकने का काम हमें करना चाहिए। आपके मन में कोई बात हो तो उसे खुलकर कहिए, बैठकर समस्या का हल निकालिए। आपके कार्यकाल को दो साल हो चुके हैं। आप खुद से पूछिए कि आपने इन दो सालों में अपने क्षेत्र को क्या उपलब्ध दी है। बार बार ये जनता पौका नहीं देती।

गोपाल में मांगों को लेकर प्रदर्शन, नेता ने कहा-हम सरकार को द्वुषिगियों को नसीहत

■ स्वतंत्र समय, भोपाल

भाजपा विधायक एवं पशुपालन राज मंत्री

■ स्वतंत्र समय, भोपाल

उठाकर फैंक देती। गौरतलब है कि नगर पंचायत परथर्या में अध्यक्ष और पार्षदों के बीच अंदरूनी कलह चल रही है, जिस कारण से क्षेत्र में विकास कार्य अभिवत हो रहे हैं। मंत्री पटेल ने मंच से कहा-अपके आपस में कुछ भी मनुष्यावाल हो, पहली प्राथमिकता जनता की सेवा होनी चाहिए, क्योंकि जनता ने ही मुझे चुना है और आप सब को चुना है।

उनके दुख, दर्द रुकने का काम हमें करना चाहिए। आपके मन में कोई बात हो तो उसे खुलकर कहिए, बैठकर समस्या का हल निकालिए। आपके कार्यकाल को दो साल हो चुके हैं। आप खुद से पूछिए कि आपने इन दो सालों में अपने क्षेत्र को क्या उपलब्ध दी है। बार बार ये जनता पौका नहीं देती।

गोपाल में मांगों को लेकर प्रदर्शन, नेता ने कहा-हम सरकार को द्वुषिगियों को नसीहत

■ स्वतंत्र समय, भोपाल

भाजपा विधायक एवं पशुपालन राज मंत्री

■ स्वतंत्र समय, भोपाल

उठाकर फैंक देती। गौरतलब है कि नगर पंचायत परथर्या में अध्यक्ष और पार्षदों के बीच अंदरूनी कलह चल रही है, जिस कारण से क्षेत्र में विकास कार्य अभिवत हो रहे हैं। मंत्री पटेल ने मंच से कहा-अपके आपस में कुछ भी मनुष्यावाल हो, पहली प्राथमिकता जनता की सेवा होनी चाहिए, क्योंकि जनता ने ही मुझे चुना है और आप सब को चुना है।

उनके दुख, दर्द रुकने का काम हमें करना चाहिए। आपके मन में कोई बात हो तो उसे खुलकर कहिए, बैठकर समस्या का हल निकालिए। आपके कार्यकाल को दो साल हो चुके हैं। आप खुद से पूछिए कि आपने इन दो सालों में अपने क्षेत्र को क्या उपलब्ध दी है। बार बार ये जनता प